Leaf Sample Collection Performa:

This form is to be filled by the farmer and should be submitted along with leaf sample:

उदयान विभाग हिमाचल प्रदेश

फल पौध पोषण प्रयोगशाला

नब वहार शिमला –2/धर्मशाला /

कुल्लू, बजौरा /उना सलोह /

थानाधार /कोटखाई

प्रयोगशाला में नमूना प्राप्त करने की

तिथि .....

कम सख्या.....

स्थिति .....

विवरण पत्र

बागवान का नाम व पता

नाम .....ग्राम .....डा0.....तहसील .....

.....जिला .....हिमाचल प्रदेश ।

नमूने की कम संख्या .....नमूने लेने की तिथि.....

नमूने की स्थिति .....

1.फल का नाम .....2.किस्म .....3. आयु.....4.मूलवृत (रूट स्टाक) .....

5.पिछले तीन वर्ष में उपज –बढ रही है या सामान्य है .....

6.इस वर्ष होने वाली अनुमानित उपज –अधिक/मध्यम /कम .....

7.यह नमूना बगीचे की किस स्थिति प्रतिनिधित्व करता है (बगीचे की सामान्य आवस्था अथवा विशेष समस्या वाले भाग का----------

का .....

8.पौध फलों तथा पतियों की स्थिति कैसी है। सामान्य/असामान्य।.....
यदि सामान्य हो तो नीचे दिये हुए कम सख्या 9 से 11 तक भरने का आवश्यक नहीं है।

9.असामान्य पतियों के लक्षण व स्थिति .....

10. असामान्य फलों के लक्षण व स्थिति.....
.....

11. असामान्य टहनियॉ की स्थिति.....
.....

12.इस प्रयोगशाला में यदि पहलें पतियों का विश्लेषण कराया हो तो उसकी तिथि ,नमूनें का कमांक दें।.....

13. मिट्टी की वनावट –रेतीली / रेतीली दोमट /चिकनी दोमट/ रेतीली चिकनी ।.....

14.बगीचें में क्या किया गया है घास उगाना / जुताई/मलचिंग ।.....

15.बगीचे में इस वर्ष कांट –छांट कैसे की गई है।अधिक /मध्यम/ हल्की या कोई कांट –छांट नहीं की गई ।.....

16.बगीचें में विशेष समस्या क्या है। कीट कीटाणु / चूहें /अन्य रोग .....

दार्षिक कार्यक्रम के अनुसार बागीचे में प्रयोग किए उर्वकों की किस्म व मात्रा किलोग्राम प्रति पौधे की दर से नीचे भरें

1.नत्रजन(Nitrogen)

किसान खाद.....
यूरिया.....
अन्य.....

2. फास्फोरस;(Phosphorus)

सुपरफास्फेट.....
डाईकैल्शियम फास्फेट.....
अन्य.....

3.पोटाश;(Potash) 4.चूना;.....कि0ग्रा0 / पौध

म्यूरेटआफ पोटाश.....
सल्फेट आफ पोटाश.....
अन्य.....

5. योगिक उर्वरक;(Compound Fertilizers)

अमोनयम फास्फेट.....
डाईअमोनियम फास्फेट.....
यूरियाअमोनियम फास्फेट.....
सुफला.....
अन्य.....

6. मिश्रित उर्वरक;(Mixed fertilizers)

जर्मन मिक्सचर.....
15;15;15.....
अथवा
20;20;20.....
हिमालय खाद.....
15;15;7.....
अथवा
15;7;15.....

7. गोबर की खाद की मात्रा..... किलोग्राम प्रति पौधा ।

8. अणु पोषक तत्व दिए गए हों तो उनकी किस्म व मात्रा.....

9.क्या बगीचे नें बायोफर्टिलाईजर का प्रयोग किया गया हैं। यदि किया हैं तो बायो फर्टिलाईजर की किस्म तथा मात्रा।

बायोफर्टिलाईजर का नाम.....मात्रा.....प्रति हैक्टेयर।

10. क्या बगीचे में आर्गेनिक खाद का प्रयोग किया गया हैं। यदि किया हैं तो उसकी किस्म तथा मात्रा। आर्गेनिक खाद का नाम.....मात्रा.....किलोग्राम प्रति हैक्टेयर।

पत्तियों के नमूने लेने की विधि

(क) सामान्य निर्देश :–

1. बागीचे के जिस स्थान से नमूना लिया जाए वहां पौधों की स्थिति एक जैसी होनी चाहिए।
2. सामान्य अवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए नमूना लेने के लिए बागीचे को विभिन्न खण्डों (Blocks) में इस प्रकार बांटें जिससे प्रत्येक खण्ड से लिए हुए नमूने उस खण्ड की सामान्य स्थिति तथा समस्या का प्रतिनिधित्व कर सकें।
3. एकत्रित पत्तियों को अधिक देर तक धूप में न रखें।
4. इस विवरण पत्र के अनुसार नमूने के बारे में सूचना तैयार करें।
5. नमूनों को कपड़ा लगे लिफाफों में डाल कर पूर्ण विवरण सहित प्रयोगशाला में तुरन्त भेजें।
6. नमूना हरी व ताजी अवस्था में ही निकटतम प्रयोगशाला में शीघ्र पहुंचायें ।

(ख) विशेष सलाह :–

1. विभिन्न प्रकार के फलदार पौधों से पत्तियों के नमूने लेने सम्बन्धी विशेष सलाह इस प्रकार हैं:–

(i) पर्णपाती फल पौधे **(Deciduous Fruit Plants):** पर्णपाती फल पौधे जैसे सेब, नाशपाती, चैरी, आड़ू, प्लम, खुमानी, बादाम इत्यादि से पत्तियां उसी मौसम में पैदा हुई टहनियों के मध्य भाग से 01 **जुलाई से 15 अगस्त** तक या फूल आने के 8 से 12 सप्ताह के बीच लें। बागीचे की सामान्य अवस्था का प्रतिनिधित्व करने के लिए यह आवश्यक है कि पत्तियां टहनियों के फल लगने वाले भाग के निकट से न ली जाएं क्योंकि फल अपनी विकास अवस्था में निकट की पत्तियों से अधिकतम खुराक लेते हैं। अतः ऐसी टहनियों से प्राप्त पत्तियों से सही परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं ।

(ii) नीम्बू प्रजातीय पौधे **(Citrus Fruits Plants):** नीम्बू प्रजातीय पौधे की 4–7 महीने पुरानी उगी हुई पत्तियां उन टहनियों से लें जिनमें फल न लगे हों। पूर्ण परिपक्व पत्तियों का चयन करें। विश्लेशण हेतु नमूने **अगस्त व सितम्बर माह** में ही लें।

(iii) आम के पौधे **(Mango Plants):** जब आम में खूब फूल आये हों तो उस समय टहनियों के मध्य भाग से नवीनतम परिपक्व पत्तियां लें । ध्यान रहे कि पत्तियों के नमूने पुष्पित टहनियों से न लें। विश्लेशण हेतु नमूने **मार्च व अप्रैल** के माह में ही लें।

(iv) अंगूर के पौधे **(Grape Plants):** फलदार शाखाओं की सबसे नई परिपक्व पत्तियों के केवल डंठल लें (पत्ती के दूसरे भाग की आवश्यकता नहीं) यह आवश्यक है कि पत्तियों के नमूने ऐसे भाग से लिए जाएं जहां धूप खूब लगती हो। इसके नमूने **जुलाई के प्रथम सप्ताह से मध्य अगस्त** तक लिए जाने चाहिये।

(v) लीची के पौधे **(Litchi Fruit Plants):** लीची के विकसित होने वाले फलों के गुच्छे के नीचे लगी पत्तियों से थोड़ी सी लकड़ी सहित मध्यवर्ती पत्तियाँ लें । नमूने **अप्रैल माह** में लें ।

(vi) अमरूद के पौधे **(Gauva Fruit Plants):** अमरूद में फल न देने वाली उसी मौसम में पैदा हुई शाखा के अन्त से परिपक्व पत्तों की जोडी उस समय लें जब उनकी बढ़ौतरी बन्द हो चुकी हो । नमूने **जून से जुलाई** तक लें ।

(vii) जैतून के पौधे **(Olive Fruit Plant):** इसी वर्ष में पैदा हुई परिपक्व पत्तियाँ लें । टहनी के मध्य भाग से दिसम्बर व जनवरी में ले ।

1. पत्तियों के नमूने रोग–ग्रस्त, पुराने तथा जख्मी पौधों से न लें।
2. पौधों की विभिन्न किस्मों के नमूने अलग–अलग लें।
3. चयन किए गए खण्डों में तिरछा चलकर अपनी दाहिनी और बांई तरफ के प्रत्येक तीसरे पौधे से (जहां तक पहुंच सकें) 2 से 4 पत्तियां नमूने के लिये लें ।
4. पत्तियों को नीचे की ओर खींच कर तोडें ताकि पत्तियों के डंठल साथ में आ जाएं।
5. एक नमूने में 80 से 100 तक पत्तियां होनी चाहिए।
6. नमूना एकत्रित करने के 24 घण्टें के अन्दर हरी व ताजी अवस्था में ही अपनी निकटतम फल पौध पोषण प्रयोगशाला में पहुंचाये।

Leaf Sample Collection Timing and Method for Different Fruit Crops.

विभिन्न फल पौधों से पत्तियों के नमूने लेने की विधि व समय

क्रम संख्या	फल पौधों का नाम	नमूने लेने की विधि व समय
1.	पर्णपाती फल पौधे	पर्णपाती फल पौधो से पत्तियां उसी मौसम में पैदा टहनी के मध्य भाग से 15 जून से 15 अगस्त तक लें। हिमाचल प्रदेश के निचले व मध्यवर्ती क्षेत्रों में नमूने लेने का कार्य 15 जून से आरम्भ कर सकते हैं जबकि उंचाई वाले क्षेत्रों में 15 जुलाई के बाद पत्तियों के नमूनें लें।
2.	नीम्बू प्रजाति के फल पौधे	नीम्बू प्रजाति के फल पौधों से बसन्त ऋतु में आई शाखाओं से 5–6 महीने बाद पत्तियां टहनियों के मध्य भाग से उन टहनियों में से लें, जिनमें फल न लगे हों। हिमाचल प्रदेश में यह समय अगस्त से 15 सितम्बर तक हैं।
3.	आम	जब आम में खूब फूल आया हो तो उस समय टहनियों के मध्य भाग से नवीनतम परिपक्व पत्तियां केवल उन्हीं टहनियों में से लें, जिनमें फुल न लगें हों। नमूने मध्य मार्च से अप्रैल तक लें
4.	लीची	लीची के विकसित होने वाले फलों के गुच्छें के निचे लगी पत्तियों से थोडी सी लकडी सहित मध्यवर्ती पत्तियां लें।नमूने अप्रैल माह में लें।
5.	अमरूद	अमरूद में फल न देने वाली उसी मौसम में पैदा हुई शाखा के अन्त से परिपक्व पत्तों की जोडी उस समय लें जब उनकी बढोंतरी बन्द हो चुकी हो।नमूने जून से जुलाई लें।
6.	जैंतून	इसी वर्ष में पैदा हुई परिपक्व पत्तियां लें। पत्तियां टहनी के मध्य भाग से दिसम्बर व जनवरी में लें।
7.	अंगूर	फलदार शाखा की सबसे नई परिपक्व पत्ती का केवल डंठल लें क्योंकि इस फल में पत्ती के दूसरे भाग की आवश्यकता नहीं होती हैं। यह आवश्यक हैं कि नमूने ऐसे भाग से लिए जायें, जहां खूब धूप लगती हों। नमूने जुलाई के प्रथम सप्ताह से मध्य अगस्त पक लें।